Editorial Board for the Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika, May 2015

Executive Board

PATRON	EDITOR-IN -CHIEF	MANAGING EDITOR
Dr. M.D. Pathak **Chairman,** Centre for Research & Development of Waste & Marginal Land **Ex. Director General,** U.P. Council of Agriculture Research, U.P. **Ex. Director,** Research and Training, International Rice Research Institute, Manila, Philipines pathakmd1@gmail.com	**Dr. Asha Tripathi** **Senior Vice-President,** Social Research Foundation, Kanpur asha23346@gmail.com	**Dr. Rajeev Mishra** **Secretary,** S R F, Kanpur indra.rajeev@gmail.com shrinkhala2014@gmail.com 128/170 H' Block, Kidwai Nagar, Kanpur

EDITORIAL-ADVISORY BOARD

Political Science and International Relation
Prof. Vandana Asthana
Eastern Washington University,
Cheney, WA

Sociology and Social Anthropology
Dr. K. Bharathi
Arba Minch University,
Arba Minch,Ethiopia,
North Africa

Library & Information Science
Dr. U. C. Shukla
Fiji National University,
Lautoka, Fiji

Sociology
Dr. Anita Tamboli
Govt. SDB Girls College, Kota, Rajasthan, India
Dr. Rajesh Kumar Sharma
Govt. P.G. College, Dholpur, Rajasthan, India

Music
Dr. Rajendra Maheshwari
Govt. J.D.B Girls College, Kota, Rajasthan, India
Roshan Bharti
Govt. J.D.B Girls College, Kota, Rajasthan, India

Political Science
Dr. Vinod Bhardwaj
Shri Agrasen Mahila P.G. College, Bharatpur, Rajasthan, India
Dr. Pravesh Pandey
Shri Guru Nanak Mahila Mahavidyalaya, Jabalpur, M.P.

सम्पादकीय.....

सुधी पाठकों,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व और मानव–निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते– यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। अधिकांश शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे है तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद.....

Rajeev Mishra

(डा0 राजीव मिश्रा)
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा0 राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू–1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।
संपादक : डा0 राजीव कुमार मिश्रा, Mobile No. **9335332333, 9839074762**
Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, **Website:** www.socialresearchfoundation.com